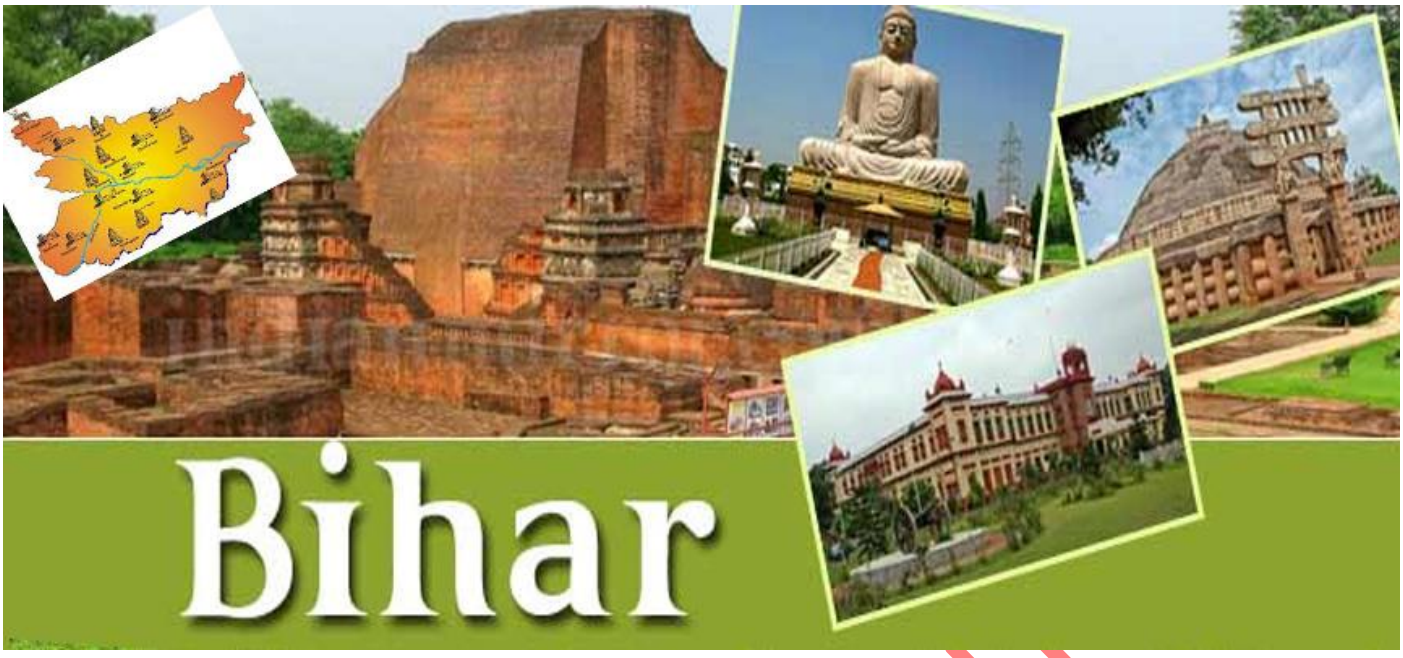

बिहार में कला एवं संस्कृति

वास्तुकला :-

- कुम्हार (पटना) से एक मौर्यकालीन विशाल कक्ष संभवतः राजमहल का अवशेष मिला, 80 स्तंभ, पत्थर के खंभों के अवशेष बचे, राजमहल संभवतः लकड़ी का बना होगा।
- मौर्यकालीन स्तंभ लेख - ये चार स्थानों **लौरिया नंदनगढ़, लौरिया - अरेराज (पश्चिम चंपारण), रामपुरवा (पूर्वी चंपारण) और बसाढ़ (वैशाली)** में है।
- **बसाढ़ स्तंभ पर सिंह, रामपुरवा पर नटुवा बैल (सांड), लौरिया नंदनगढ़ पर सिंह की आकृति** उत्कीर्ण है।
- ये चुनार के धूसर बालू के पत्थर से निर्मित हैं तथा इन पर चमकीली पॉलिस भी की गई है।
- बराबर की पहाड़ियों (गया) में अशोक एवं दशरथ द्वारा आजीवन संप्रदाय के लिए गुफाओं का निर्माण
- आदंतपुरी, नालंदा एवं विक्रमशिला महाविहार का निर्माण।
- सासाराम में शेरशाह का मकबरा - झील के मध्य अष्टकोषी मकबरा, अफगान स्थापत्य शैली का उदाहरण।

Study91 On Your

मूर्तिकला :-

- पटना के दीदारगंज से प्राप्त यक्षी (स्त्री) की मूर्ति - मौर्यकालीन
- भागलपुर के सुल्तानगंज से प्राप्त बुद्ध की ताम्रमूर्ति - 75 फीट ऊंचाई, (गुप्तकालीन) वर्तमान में इंग्लैंड के बर्मिंघम संग्रहालय में
- पाल काल में तथ एवं कांसे की मूर्तियों का निर्माण अधिकांश मूर्तियां बुद्ध एवं बौद्ध धर्म से प्रभावित, धीमन एवं बिठ्पाल कांस्य प्रतिमाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चित्रकला :-

- **पटना शैली (पटना कलम)**
- कंपनी शैली भी कहा जाता है।
- इसे पुरुषों की चित्रशैली भी कहा जाता है।
- तूलिका गिलहरी की पूंछ, ऊंट, सूअर या हिरण के बाल तथा कबूतर या चील के पंखों से बनाते थे।
- कलाकार रंग स्वयं बनाते थे, प्राकृतिक रंगों का प्रयोग।
- दैनिक जीवन, मांगलिक पर्व, वस्तु, दृश्य, पशु-पक्षी चित्रण।
- कणज, अभ्रक और हाथी दांत चित्र के माध्यम।
- प्रमुख चित्रकार - सेवक राम (प्रथम कलाकार), हुलास लाल (पशु पक्षी चित्रण में माहिर), जयराम दास (स्याह कलम के माहिर), फकीरचंद लाल, शिवलाल साहिब। महिला कलाकार - दक्षो बीबी, सोना बीबी, ईश्वरी प्रसाद वर्मा (अंतिम)।

Study 91 On YouTube

मधुबनी चित्रकला :-

- 1934 में भूकंप के बदा मधुबनी में जिलाधिकारी विलियम जी. आर्चर ने निरीक्षण के दौरान मधुबनी के भित्ति - चित्रों को देखा।
- भित्ति-चित्र एवं अरिपन के रुप में।
- भित्ति चित्रों में गोसउनी, कोहबर और कोहबर की कोंणियां।
- गोसउनी धार्मिक चित्र है जबकि कोहबर प्रतीक एवं तात्रिक विषयों पर चित्र बनाये जाते हैं।
- पहले केवल भित्ति चित्र बनते थे जबकि वर्तमान में कागज एवं कपड़े पर भी चित्रकारी की जाती है।
- चटक रंगों लाल, पीला, हरा आदि का अधिक प्रयोग होता है।
- पद्मश्री सीता देवी, पद्मश्री भगवती देवी, पद्मश्री गंगा देवी, महासुन्दरी देवी, भारती दयाल आदि प्रमुख चित्रकार हैं।

मंजूषा शैली :-

- बिहुला-बिसारी की प्रेम कथा मुख्य विषय है।
- इसे सर्प चित्रकारी भी कहते हैं।
- रेखा प्रधान, तीन रंगों की कला।
- मुख्यतः भागलपुर क्षेत्र में प्रचलित ~
- चक्रवर्ती देवी, निर्मला देवी प्रमुख चित्रकार हैं। जिन्हें सीता देवी पुरस्कार दिया गया है।

बिहार के लोक नाट्य :-

- **विदेशिया** - भोजपुर क्षेत्र में लोकप्रिय, पुरुषों द्वारा अभिनीत
- **जट जटिन** - अविवाहित लड़कियों द्वारा अभिनीत, जट-जटिन के वैवाहिक जीवन का प्रदर्शन

Study 91 On YouTube

- **डोमकच** - घरेलू नाट्य, महिलाओं द्वारा प्रस्तुत
- **सामा चकेवा** - भाई-बहन से संबंधित, प्रश्नोत्तर शैली में, बालिकाओं द्वारा अभिनीत
- **किरतनिया** - भक्तिपूर्ण लोकनाट्य, श्री कृष्ण की लीलाओं का वर्णन भकुली बंका

बिहार के लोक नृत्य :-

- कठघोड़वा नृत्य
- लौंडा नृत्य
- करिया झूमर नृत्य
- जोगीड़ा नृत्य
- पंवड़िया नृत्य
- घोषिया नृत्य
- झिझिया नृत्य
- खोलड़िन नृत्य
- विद्यापति नृत्य
- झरनी नृत्य

Study 91 On YouTube